

स्वास्थ्य सेवाओं को नए आयाम दिए जाएंगे

स्वस्थ प्रदेश ही समृद्ध प्रदेश की आधारशिला है : मुख्यमंत्री

प्रशासनिक संवाददाता
भोपाल, 3 मार्च. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वस्थ प्रदेश ही समृद्ध प्रदेश की आधारशिला है।

स्वास्थ्य अधीनस्थता के व्यापक विस्तार, गुणवत्तापूर्ण उपचार सुविधाओं को उपलब्धता और चिकित्सा शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में सुनियोजित प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का प्रत्येक



नागरिक, चाहे वह शहरी क्षेत्र में निवास करता हो या दूरस्थ ग्रामीण अंचल में, उसे समयबद्ध और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध

हों। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए कुल 23 हजार 747 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान है, जो राज्य सरकार की प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। राज्य सरकार का संकल्प है कि स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित मानव संसाधन और सुदृढ़ अधीनस्थता के माध्यम से नए आयाम दिए जाएँ। प्रदेश को सशक्त, स्वस्थ और आत्मनिर्भर मप्र की दिशा में तेजी से अग्रसर करने लिए सतत और सशक्त प्रयास किए जा रहे हैं।

दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंच बेहतर होगी

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 4,600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, रोग नियंत्रण और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना एवं संचालन के लिए 1,934 करोड़ रुपये तथा उप स्वास्थ्य केंद्रों के लिए 782 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

अस्पतालों, चिकित्सा महाविद्यालयों का विस्तार

प्रदेश में विगत दो वर्षों में पांच नए शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय प्रारंभ किए गए हैं। एमबीबीएस सीटों की संख्या 2,275 से बढ़कर 2,850 तथा स्नातकोत्तर सीटों 1,262 से बढ़कर 1,468 हो गई हैं। इंदौर, रीवा एवं सतना के चिकित्सा महाविद्यालयों के उन्नयन के साथ ही भोपाल, इंदौर, रीवा, जबलपुर, सागर एवं ग्वालियर में उन्नत चिकित्सा सुविधाएँ विकसित की गई हैं। पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए धार, बैतूल, पन्ना और कटनी में एलओए जारी किया जा चुका है। अन्य 9 जिलों में प्रक्रिया प्रगतिरत है।

सामुदायिक, उप एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के भवन निर्माण के लिए 580 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और बेहतर होगी। आशा कार्यकर्ताओं को

अतिरिक्त प्रोत्साहन के लिये 550 करोड़ रुपये तथा मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा प्रसूति सहायता योजना के लिए 750 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं, जिससे जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा।

आरएसएस पर बनी फिल्म शतक मध्यप्रदेश में टैक्स फ्री

प्रशासनिक संवाददाता
भोपाल, 3 मार्च. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के मौके पर बनी फिल्म शतक को मप्र में टैक्स फ्री कर दिया गया है। वाणिज्यिक कर विभाग ने बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। ये छूट 3 मार्च से एक अप्रैल तक के लिए रहेगी।



शतक फिल्म 19 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज की गई थी। फिल्म शतक को आशीष मल्ल ने निर्देशित किया है। इस फिल्म में आरएसएस के 100 वर्ष की यात्रा का जिक्र किया गया है, किन परिस्थितियों में आरएसएस की स्थापना की गई, स्थापना के समय

किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, गोवा मुक्ति आंदोलन में संघ की क्या भूमिका रही। आजादी के बाद पाकिस्तान के कबाइलियों द्वारा जम्मू कश्मीर में हमला करने के समय आरएसएस द्वारा श्रीनगर एयर स्टीप को विमानों के उतरने के लिए तैयार करने का घटनाक्रम के साथ ही आरएसएस की शाखाओं के देशभर में विस्तार के बारे में बताया गया है।

एक नजर में



सांची विवि के कुलगुरु प्रो. वैद्यनाथ लाभ का निधन

सलामतपुर. सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. वैद्यनाथ लाभ का 69 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थे। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को भोपाल के सुभाष नगर विश्रामघाट पर किया गया। प्रो. लाभ ने बौद्ध दर्शन और पालि साहित्य पर 24 से अधिक पुस्तकें संपादित की हैं और उनके 90 से अधिक शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हुए हैं।

दिल के दौरे के कारण एसआई की मृत्यु

शिवपुरी. मध्यप्रदेश के शिवपुरी में इट्टी पर तैनात एक सहायक उप निरीक्षक की आज मंगलवार को अचानक हृदयाघात से मृत्यु हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतक का नाम कल्याण सिंह राजक (58) था। वे आज अपनी नियमित इट्टी पर तैनात थे, तभी उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। सहकर्मियों द्वारा उन्हें तत्काल जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। प्रारंभिक तौर पर मृत्यु का कारण दिल का दौरा आना बताया गया है। पुलिस ने आवश्यक औपचारिकताएँ पूरी कर जांच प्रारंभ कर दी है।

तत्काल मदद ने दो लोगों की बचाई जान

डायल-112 ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों की तत्परता से की मदद

विशेष संवाददाता
भोपाल, 03 मार्च. मऊगंज जिले में डायल-112 आपातकालीन सेवा के कर्मियों ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल दो व्यक्तियों को समय पर चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई।

2 मार्च को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम, डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना मऊगंज क्षेत्र अंतर्गत मऊगंज बाईपास के पास एक मोटरसाइकिल को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी है। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक पुरुष



और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गए थे तथा तत्काल सहायता की आवश्यकता थी।

सूचना मिलते ही थाना मऊगंज में तैनात डायल-112 की प्रथम प्रतिक्रिया वाहन (एफआरवी) को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। आरक्षक रजनीश यादव और पायलट प्रवेश चतुर्वेदी बिना विलंब मौके पर पहुंचे, स्थिति का त्वरित आकलन किया और राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया। डायल-112 टीम ने समय गंवाए बिना दोनों घायलों को सुरक्षित रूप से सिविल अस्पताल मऊगंज पहुंचाया, जहां उनका तत्काल उपचार शुरू कराया गया।

1,835 मोबाइल फोन किए बरामद

विशेष संवाददाता
भोपाल, 3 मार्च. होली पूर्व से पूर्व चलाए गए विशेष अभियान के तहत मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में पिछले तीन सप्ताह के दौरान 1,835 गूगल एवं चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत 3 करोड़ रुपये से अधिक है। सभी मोबाइल उनके वैध स्वामियों को वापस सौंप दिए गए हैं, जिससे पुलिस के प्रति आमजन का विश्वास और मजबूत हुआ है। नागरिकों की संपत्ति की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस ने

आधुनिक तकनीकी संसाधनों, साइबर विश्लेषण तथा सीईआईआर और एनसीआरपी पोर्टल के समन्वित उपयोग से कार्रवाई की। थाना स्तर पर गठित विशेष टीमों ने कई मोबाइल फोन अन्य राज्यों से भी ट्रेस कर बरामद किए। ग्वालियर से 551 मोबाइल (लगभग 1.33 करोड़ रुपये), छतरपुर से 200, उज्जैन से 409 (लगभग 73.5 लाख रुपये), सिंगरौली से 172, मंडला से 253 तथा गुना से 213 (50 लाख रुपये से अधिक) मोबाइल बरामद किए गए।

विशेष संवाददाता
भोपाल, 03 मार्च. मार्च के महीने में ही कई शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री या इससे अधिक पहुंचने की संभावना है। इसके साथ ही इस महीने में बारिश के भी आसार बने हैं। इसे लेकर मौसम केंद्र ने अनुमान भी जारी किया है। प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान, प्रदेश के सभी संभागों के जिलों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा। इस दौरान अधिकतम तापमानों में सभी संभागों के जिलों में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। उज्जैन, ग्वालियर, चंबल

मध्यप्रदेश के कई जिलों में तपिश हुई तेज



में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। ग्वालियर, चंबल, रीवा, जबलपुर, सागर संभागों के जिलों में सामान्य से 1.7ए से. - 2.7ए से. तक अधिक रहे एवं शेष सभी संभागों के जिलों में सामान्य रहे। वहीं न्यूनतम तापमानों में सभी संभागों के जिलों में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। उज्जैन, ग्वालियर, चंबल

इसके साथ एक ऊपरी चक्रवातीय परिसंरण माध्य समुद्र तल से 1.5 किमी की ऊंचाई पर गुजरात क्षेत्र के ऊपर सक्रिय है। उत्तर-पश्चिम भारत, माध्य समुद्र तल से 12.6 किमी की ऊंचाई पर लगभग 185 किमी प्रति घंटे की गति के साथ उपोष्ण पश्चिमी जेट स्ट्रीम हवाएं बह रही है। एक अन्य ताजा पश्चिमी विक्षोभ 06 मार्च से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है।

लगभग देशांतर 52ईई के साथ, अक्षांश 33एएन के उत्तर में अवस्थित है।

जल्द अधिकतम तापमान 40 डिग्री पहुंचने की संभावना

नवभारत रिपोर्टर
भोपाल, 03 मार्च. मार्च के महीने में ही कई शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री या इससे अधिक पहुंचने की संभावना है। इसके साथ ही इस महीने में बारिश के भी आसार बने हैं। इसे लेकर मौसम केंद्र ने अनुमान भी जारी किया है। प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान, प्रदेश के सभी संभागों के जिलों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा। इस दौरान अधिकतम तापमानों में सभी संभागों के जिलों में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। उज्जैन, ग्वालियर, चंबल

में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। ग्वालियर, चंबल, रीवा, जबलपुर, सागर संभागों के जिलों में सामान्य से 1.7ए से. - 2.7ए से. तक अधिक रहे एवं शेष सभी संभागों के जिलों में सामान्य रहे। वहीं न्यूनतम तापमानों में सभी संभागों के जिलों में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। उज्जैन, ग्वालियर, चंबल

हत्याकांड में नाबालिग आरोपी ने थाने में किया आत्मसमर्पण

भिण्ड. जिले के लहार अनुभाग के दबोह में युवक मुकेश कुरचानिया की गोली मारकर हत्या के मामले में एक नाबालिग आरोपी ने आज दबोह थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। इस मामले में एक अन्य आरोपी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। घटना 22 फरवरी की शाम दबोह की सब्जी मंडी के सामने हुई थी, जहां मुकेश कुरचानिया को गोली मार दी गई थी। गंभीर रूप से घायल मुकेश की लहार में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई थी। दबोह थाना पुलिस ने इस मामले में अमित यादव और भगवान सिंह जाटव के विरुद्ध हत्या का प्रकरण दर्ज किया था।

एक करोड़ मीट्रिक टन तक पहुंच सकती है गेहूं खरीदी

सरकार ने इसी हिसाब से तैयारियां शुरू कीं

2700 की दहलीज पार कर सकता है दाम

कन्हैया लोधी
भोपाल, 3 मार्च. यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो मप्र नए सीजन में गेहूं खरीदी के मामले में पंजाब, हरियाणा और उत्तरप्रदेश जैसे राज्यों को कड़ी टक्कर दे सकता है। मप्र में नए सीजन में एक करोड़ मीट्रिक टन से अधिक गेहूं की सरकारी खरीदी हो सकती है। राज्य सरकार ने इसी हिसाब से तैयारियां शुरू कर दी हैं। केंद्र सरकार ने इस सीजन के लिए 2585 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य घोषित किया है। जो कि पिछले सीजन के मुकाबले 160 रुपए प्रति क्विंटल अधिक है। इस बीच प्रदेश में इस सीजन में गेहूं की बम्पर आवक की संभावना जताई जा रही है।



18 लाख पहुंचेगी पंजीकृत किसानों की संख्या

पिछले पांच वर्षों में केवल दो बार ही ऐसा हुआ है जब गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन करने वाले किसानों की संख्या 18 लाख से अधिक पहुंची है। ये कोविड का सीजन था, जब 2021-22 में किसानों को मंडियों में गेहूं बेचना ज्यादा सुविधाजनक था। वर्ष 2021-22 में जब मप्र के साथ पूरा देश ही कोविड की चपेट में था, तब सबसे अधिक 24.72 लाख किसानों ने पंजीयन कराया था, वहीं अगले वर्ष जब कोविड की दूसरी लहर आई तब भी प्रदेश में 19.81 लाख किसानों ने मंडियों में गेहूं बेचने के लिए पंजीयन कराया था, उसके बाद इसमें लगातार गिरावट आती गई।

अभी बोनस देने की घोषणा का इंतजार

राज्य सरकार ने पिछले सीजन में प्रति क्विंटल 175 रुपए बोनस भी दिया था, हालांकि केंद्र सरकार बोनस देने के पक्ष में नहीं है, इसके लिए विशेष अनुमति लेने की जरूरत पड़ती है। यह अनुमति भी सशर्त होती है। राज्य सरकार वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है। ऐसे में ये माना जा रहा है कि इस बार भी किसानों को बोनस देने की घोषणा हो सकती है। हालांकि इस मामले में राज्य सरकार का निर्णय काफी हद तक केंद्र के रुख पर तय होगा। यदि केंद्र सरकार से अनुमति मिलती है तो सरकार पिछले वर्ष की तरह ही प्रति क्विंटल 175 रुपए तक बोनस दे सकती है।

पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। पिछले सीजन के दौरान प्रदेश में 77.74 लाख मीट्रिक टन गेहूं की एमएसपी पर खरीदी की गई थी। इस खरीदी पर सरकार ने 20 हजार

213 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की थी, वैसे राज्य सरकार ने पिछले सीजन में भी लगभग 90 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी के हिसाब से तैयारी की थी।

प्रोत्साहन डॉ. मोहन यादव ने विभागों को उपलब्धि के लिए दी बधाई

मध्यप्रदेश को मिल चुके 27 जीआई टैग

प्रशासनिक संवाददाता
भोपाल, 3 मार्च. मप्र की अनेक शिल्प कलाओं और कृषि, उद्योगिकी उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर जीआई टैग प्राप्त होना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीकल फॉर लोकल के स्वप्न को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के उन्नत किसानों, खाद्य प्रसंस्करण उद्यमियों, शिल्पकारों और उर्ध्व प्रोत्साहित करने वाले विभागों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। प्रदेश में कृषि और खाद्य से जुड़े उत्पादों के साथ ही शिल्प को कुल 27 जीआई टैग मिल चुके हैं। इन्हें मिल चुका है जीआई टैग

बैतूल जिले की पारंपरिक शिल्प कला भरेवा कला को यह राष्ट्रीय पहचान मिली है। क्राफ्ट विलेज टिगरिया की भरेवा व कला को जीआई टैग मिला है। राधपति द्रोपदी मुमुं ने हाल ही में भरेवा शिल्प के कलाकार बलदेव वाघमारे को राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार से भी सम्मानित किया। बैतूल के अलावा छतरपुर जिले के खजुराहो के स्टोन क्राफ्ट, छतरपुर जिले के ही पारंपरिक काष्ठ शिल्प, ग्वालियर के पत्थर शिल्प, ग्वालियर की पेपर मेश कला जीआई टैग प्राप्त करने में सफल रही है। प्रदेश के अन्य जीआई टैग उत्पाद इस प्रकार हैं, चंदेरी साड़ी, महेश्वरी साड़ी और फैब्रिक, धार का बाग प्रिंट, इंदौर के

लेदर के खिलौने, दतिया और टीकमगढ़ के बेल मेटल वेयर, उज्जैन का बटीक प्रिंट, जबलपुर का संगमरमर शिल्प, डिंडोरी की गोंड पेंटिंग, वाराणसिनी की हंडलूम साड़ी, ग्वालियर की ज्यामितीय पैटर्न की कालीन, पन्ना का हीरा, डिंडोरी का लोहा शिल्प, बालाघाट का चित्रों चवल, रीवा का सुंदर आम, सीहोर और विदिशा का शरबती गेहूं, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश का संयुक्त रूप से महोबा देशावरी पान, छिंदवाड़ा और पाण्डुराण क्षेत्र का नागपुरी संतरा, झाबुआ जिले का कड़कनाथ मुर्गा, रतलाम का सेव, मुरैना की गजक, बुंदेलखंड क्षेत्र का कठिया गेहूं और जावरा का लहसुन शामिल है।

वर्ष 2025 में पांच उत्पादों को मिला जीआई टैग

मप्र में वर्ष 2024 में बुंदेलखंड के कठिया गेहूं और रतलाम जिले के जावरा के लहसुन को जीआई टैग प्राप्त हुआ। इसी तरह वर्ष 2025 में प्रदेश के पांच उत्पादों को जीआई टैग मिला। इन्हें छतरपुर जिले के खजुराहो का स्टोन क्राफ्ट, छतरपुर का ही पारंपरिक फनीचर, बैतूल का भरेवा मेटल क्राफ्ट, ग्वालियर का पत्थर शिल्प और ग्वालियर का ही पेपर मेश क्राफ्ट शामिल है।



हेमंत ने मैदानी अमले को दिए निर्देश

बैतूल. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने मंगलवार को बैतूल तहसील कार्यालय में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की संयुक्त बैठक को संबोधित कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके, विधायक चंद्रशेखर देशमुख, डॉ. योगेश पंडा एवं श्रीमती गंगाबाई उइके उपस्थित रही।